शीर्ष स्टार्टअप में उत्तर प्रदेश चौथे स्थान पर, 7 स्टार्टअप जल्द बनेंगे 1 अरब डॉलर की कंपनी

फिजिक्सवाला 1 अरब डॉलर की यूनिकॉर्न कंपनी में तब्दील, लिस्ट में नोएडा से पिछड़े पुणे और चेन्नई

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। स्टार्टअप में यूपी का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। हुरुन इंडिया-एएसके प्राइवेट वेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक देश के शीर्ष स्टार्टअप में से यूपी के आठ स्टार्टअप ने जगह पाई है। इनमें से फिजिक्सवाला एक अरब डॉलर की नेटवर्थ का पहला यूनिकॉर्न बन चुका है।

वहीं सात अन्य स्टार्टअप एक-एक अरब डॉलर यानी करीब 85 अरब रुपये की कंपनी बनने की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। ये स्टार्टअप अगले तीन से पांच साल में इस उपलब्धि को हासिल करेंगे। खास बात ये है कि यूपी का नोएडा पुणे और चेन्नई को खिसकाकर चौथे स्थान पर आ गया। बेंगलुरु देश की स्टार्टअप राजधानी बनकर उभरा है। यहां 26 यूनिकॉर्न (70 अरब डॉलर मूल्यांकन) और 41 फ्यूचर यूनिकॉर्न (16 अरब डॉलर मूल्यांकन) हैं। दिल्ली, एनसीआर, नोएडा और मुंबई इसके बाद आते हैं।

सबसे ज्यादा फ्यूचर यूनिकॉर्न वाले शहर

रैंक	शहर	फ्यूचर यूनिकॉर्न
1	बंगलुरु	41
2	दिल्ली-एनसीआर	29 (नोएडा छोड़कर)
3	मुंबई	28
4	नोएडा	07
5	सैन फ्रांसिस्को	05
5	पुणे	05
5	चेन्नई	05

यूपी के आठ स्टार्टअप ने बनाई जगह

कंपनी	श्रेणी	शहर	क्षेत्र	स्थापना वर्ष
जॉपर	चीता	नोएडा	इंश्योरेंसटेक	2011
एस्ट्रोटॉक	चीता	नोएडा	सेवा	2017
क्लासप्लस	चीता	नोएडा	सेवा	2018
राफे एमफिब्र	गजेल	नोएडा	एयरोस्पेस	2017
इनशॉर्ट्स	चीता	नोएडा	मीडिया	2013
लोहुम	गजेल	नोएडा	क्लीनटेक	2018
क्रेडजेनिक्स	चीता	नोएडा	सेवा	2018
फिजिक्सवाला	यूनिकॉर्न	नोएडा	एडटेक	2020

तीन तरह के स्टार्टअप : 1-यूनिकॉर्न : वे स्टार्टअप हैं, जो वर्ष 2000 या उसके बाद स्थापित हुए हों और जिनका मूल्यांकन 1 अरब अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक हो। **2-गजेल :** वे स्टार्टअप हैं जिनका मूल्यांकन 500 मिलियन से 1 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच है और अगले तीन वर्षों में यूनिकॉर्न बनने की प्रबल संभावना है।

तेजी से बना स्टार्टअप इकोसिस्टम

वर्ष 2025 तक राज्य में 12 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हो चुके हैं, जिनमें से 7,500 सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। यूपी स्टार्टअप नीति के तहत 55 से अधिक इनक्यूबेटर और 20 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। लखनऊ, नोएडा और कानपुर जैसे शहर नवाचार हब के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी भी 18% तक पहुंच गई है। आईटी, एग्रीटेक और फिनटेक सेक्टर में सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित हो रहा है।

ऑनलाइन गेमिंग बिल से 6 यूनिकॉर्न्स को बड़ा झटका : केंद्र सरकार द्वारा पेश प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल- 2025 ने रियल मनी गेमिंग सेक्टर को हिला दिया है। बिल में खेलों को स्किल और चांस में बांटते हुए केंद्रीय लाइसेंस प्रणाली, सख्त टैक्स नियम और विज्ञापन-प्रमोशन पर नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। इसके चलते ड्रीम11, गेम्स24x7, गेम्सक्राफ्ट और MPL यूनिकॉर्न क्लब से बाहर हो गए हैं, जबकि जुपी 'गजेल' और विन्जो 'चीता' टैग खो बैठे हैं। यह कदम लंबी अवधि में पारदर्शिता लाएगा।